CBSE Class 12 Sociology Important Questions Chapter 1 भारतीय समाज : एक परिचय

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
अन्य विषयों की अपेक्षा समाजशास्त्र अलग विषय क्यों है?
उत्तर:
क्योंकि समाज के बारे में हमें बिना पढ़े ही ज्ञान प्राप्त रहता है।

प्रश्न 2.
समाज के बारे में हमारा ज्ञान 'स्वाभाविक' और 'अपने आप' प्राप्त किया क्यों प्रतीत होता है?
उत्तर:
क्योंकि यह हमारे बड़े होने की प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण अभिन्न हिस्सा होता है।

प्रश्न 3.
'पहले से ही' अथवा 'अपने आप' प्राप्त किया गया सहज-ज्ञान या सहज-बोध समाजशास्त्र के लिए बाधक क्यों है?
उत्तर:
क्योंकि पहले से ही प्राप्त सहज ज्ञान अव्यवस्थित होता है।

प्रश्न 4.
समाजशास्त्र की अध्ययन प्रक्रिया को सीखने-समझने के लिए क्या अनिवार्य है?
उत्तर:
हमें अपने सहज बोध को 'मिटा देने' की कोशिश करना।

प्रश्न 5.
समाज के बारे में हमारे पूर्व ज्ञान की सबसे बड़ी कमी क्या होती है?
उत्तर:
हमारा पूर्व ज्ञान पूर्वाग्रह से युक्त एकपक्षीय होता है।

प्रश्न 6.
समाजशास्त्र पूर्वाग्रहों से मुक्त होने के लिए कौनसा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है?
उत्तर:
संसार की घटनाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिये।

प्रश्न 7.
उपनिवेशवाद का क्या अर्थ है ?
उत्तर:

उपनिवेशवाद एक ऐसी विचारधारा है जिसमें एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को अपने अधीन कर उसका शोषण करता है।

प्रश्न 8.
समाजशास्त्र के क्षेत्र में सत्य की बहुलता एक समस्या है, समाजशास्त्र इसका क्या समाधान करता है?
उत्तर:
इसका समाधान है तुलना।

प्रश्न 9.
समाजशास्त्र में स्वनिरीक्षण कैसे किया जाना चाहिये?
उत्तर:
स्वनिरीक्षण आलोचनात्मक होना चाहिये।

प्रश्न 10.
भारतीय समाज और संरचना की समझ हमें एक सामाजिक नक्शा प्रदान करती है, इसकी क्या उपयोगिता है?
उत्तर:
इससे हमें जानकारी मिलती है कि समाज में दूसरों के सम्बन्धों में हमारी स्थिति क्या है।

प्रश्न 11.
एक तुलनात्मक सामाजिक नक्शा हमारे लिए किस प्रकार से उपयोगी होता है?
उत्तर:
यह सामाजिक ताने-बाने में हमारा स्थान निर्धारित करता है।

प्रश्न 12.
राष्ट्रवाद को परिभाषित कीजिए।
उत्तर:
राष्ट्रवाद अपने राष्ट्र और उससे संबंधित हर चीज के लिए एक भावपूर्ण प्रतिबद्धता है।

प्रश्न 13.
ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में भारत में राष्ट्रवाद के उदय के कोई दो कारण बताइये।
उत्तर:

1. पाश्चात्य शिक्षा पद्धति
2. मध्यम वर्ग का उदय।

प्रश्न 14.
विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या किस देश की है?
उत्तर:
चीन की।

प्रश्न 15.
भारत का विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से कौनसा स्थान है ?
उत्तर:
दूसरा।

प्रश्न 16.
बुजुर्ग और युवा पीढ़ियों के बीच का 'पीढ़ी अन्तराल' समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से क्या है?
उत्तर:
यह एक सामाजिक प्रघटना है।

प्रश्न 17.
ऐतिहासिक तौर पर भारतीय राष्ट्रवाद ने किस शासन के अन्तर्गत जन्म लिया?
उत्तर:
ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत।

प्रश्न 18.
हमारे मतों, आस्थाओं एवं अपेक्षाओं को आकार देने में किन बातों का योगदान होता है?
उत्तर:
हमारे सामाजिक सन्दर्भ, समाज एवं सामाजिक सम्बन्धों के बारे में हमारे मतों, आस्थाओं और अपेक्षाओं को आकार देते हैं।

प्रश्न 19.
आस्थाओं पर विश्वास करने में क्या कठिनाई आती है?
उत्तर:
वे अक्सर अपूर्ण एवं पूर्वाग्रहपूर्ण होती हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
आस्थाओं पर विश्वास करने में क्या कठिनाई है?
उत्तर:
आस्थाएँ अक्सर अपूर्ण एवं पूर्वाग्रहपूर्ण होती हैं । अतः हमारा 'बिना सीखा गया' ज्ञान या सहज सामान्य बोध अक्सर हमें सामाजिक वास्तविकता का केवल एक हिस्सा ही दिखलाता है।

प्रश्न 2.
आत्मवाचक से आपका क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
दूसरे आपको किस तरह देखते हैं अथवा आप स्वयं को 'बाहर से' कैसे देख सकते हैं, इसे स्ववाचक या कभी-कभी आत्मवाचक कहा जाता है।

प्रश्न 3.
समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व बताइए।
उत्तर:

समाजशास्त्र समाज में हमारा स्थान निर्धारित करने में सहयोग करने, सामाजिक समूहों के स्थानों को निर्धारित करने के अलावा हमें व्यक्तिगत परेशानियों एवं सामाजिक मुद्दों के बीच की कड़ियों को उजागर करने में सहायक होता है।

प्रश्न 4.
समुदाय से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
किसी भी ऐसे विशिष्ट समूह के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द, जिसके सदस्य सचेतन रूप से मान्यता प्राप्त समानताओं और नातेदारी के बंधनों, भाषा, संस्कृति इत्यादि के कारण परस्पर जुड़े हों, समुदाय कहलाता है।

प्रश्न 5.
सामाजिक मुद्दा व्यक्तिगत मुद्दे से भिन्न क्यों है?
उत्तर:
सामाजिक मुद्दा व्यक्तिगत मुद्दे से भिन्न होता है क्योंकि व्यक्तिगत मुद्दा व्यक्ति.विशेष का मुद्दा होता है जो कि समूह का सदस्य होता है जबकि सामाजिक मुद्दा बड़े समूहों से सम्बन्धित होता है।

प्रश्न 6.
दो पीढ़ियों के बीच पीढ़ी अन्तराल को सामाजिक प्रघटना क्यों माना जाता है?
उत्तर:
दो पीढ़ियों के बीच पीढ़ी अन्तराल को सामाजिक प्रघटना माना जाता है क्योंकि दो पीढ़ियों के मूल्य अलग-अलग होते हैं। उनके मध्य तनाव और संघर्ष अवश्यम्भावी होता है, जो कि प्रत्येक समाज में किसी न किसी रूप में अवश्य पाया जाता है।

प्रश्न 7.
साम्प्रदायिकता से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
एक धार्मिक समुदाय का दूसरे धार्मिक समुदाय के प्रति विद्वेष ही साम्प्रदायिकता कहलाती है। यह एक आक्रामक राजनीतिक विचारधारा है जो धर्म से जुडी होती है।

प्रश्न 8.
प्राकृतिक विशेषताओं के नक्शे हमें क्या जानकारी प्रदान करते हैं?
उत्तर:
प्राकृतिक विशेषताओं के नक्शे से हमें किसी भी भू-भाग (पर्वतीय, वनों से भरपूर), यहाँ पाए जाने वाले प्राकृतिक संसाधन एवं इसी तरह की अन्य बातों की जानकारी प्राप्त होती है।

प्रश्न 9.
औपनिवेशिक शासन ने भारत को किससे परिचित करवाया?
उत्तर:
औपनिवेशिक शासन ने भारत को एकीकृत किया और पूँजीवादी आर्थिक परिवर्तन और आधुनिकीकरण की शक्तिशाली प्रक्रियाओं से भारत को परिचित करवाया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 10.
राष्ट्रवाद को उपनिवेशवाद का विरोधाभासी सच क्यों कहा गया है?
उत्तर:
राष्ट्रवाद को उपनिवेशवाद का विरोधाभासी सच कहा गया है क्योंकि राष्ट्रवाद औपनिवेशिक शासन का शत्रु था फिर भी औपनिवेशिक शासन की भारत विरोधी नीतियों के कारण भारत में राष्ट्रवाद का जन्म हुआ।

प्रश्न 11.
औपनिवेशिक काल में पाश्चात्य शिक्षा की क्या भूमिका रही?
उत्तर:
पाश्चात्य शिक्षा ने पुनःखोज को प्रोत्साहन दिया। इससे कई सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ विकसित हुईं जिससे राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तरों पर समुदाय के नवोदित रूप सुदृढ़ हुए।

प्रश्न 12.
उपनिवेशवाद से क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
एक ऐसी विचारधारा, जिसके द्वारा एक देश किसी दूसरे देश को जीतने और उस पर जबरन शासन करने का प्रयास करता है। बाद में विजेता देश के द्वारा विजित देश का शोषण किया जाता है।

प्रश्न 13.
समाजशास्त्र के सन्दर्भ में प्रसिद्ध समाजशास्त्री सी. राईट मिल्स का क्या कथन है ?
उत्तर:
सी. राईट मिल्स का कथन है कि समाजशास्त्र आपकी 'व्यक्तिगत परेशानियों' एवं 'सामाजिक मुद्दों' के बीच की कड़ियों एवं सम्बन्धों को उजागर करने में मदद कर सकता है।

प्रश्न 14.
व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का क्या तात्पर्य है ?
उत्तर:
व्यक्तिगत परेशानियों से मिल्स का तात्पर्य है, विभिन्न प्रकार की व्यक्तिगत चिन्ताएँ, समस्याएँ या सरोकार जो सबके होते हैं।